CBSE 12th 2024 Compartment Hindi (Elective)Set-3 (29/S/3) Solutions

---

खण्ड अ
(बहुविकल्पी/वस्तुपरक प्रश्न)

Q.1. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

जब-जब दुख की रात घिरी तब-तब मैं गाना खुलकर गाता रहा, अँधेरे में स्वर मेरा और उदात्त हो गया, सीखा नहीं छिपाना मैंने मन के भाव, देखकर घोर अँधेरा । दीप स्वरों के पथ पर रखता मैं एकाकी बढ़ता रहा, रुका कब ? इनकी उनकी आशा मुझे नहीं थी विषपायी था, कभी सुधा की चाह नहीं की, न ही अमरता की परिभाषा गढ़ने बैठा, डर क्या है, अब वह भी बीते जो बाकी है, आघातों प्रत्याघातों में नया सत्य आएगा, हार नहीं मैं जीते जी मानूँगा, और लड़ूंगा उत्पातों में दुख के गाने कंठ-कंठ के हैं पहचाने सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने ।।

(i) पद्यांश में कवि ने मन के भावों को क्या माना है ?
(A) बादलों की गड़गड़ाहट
(B) घोर अँधेरा
(C) संगीत की ध्वनि
(D) जल प्रवाह

(ii) कवि ने विपरीत परिस्थितियों का सामना किया :
(A) डरकर
(B) गाकर
(C) खुलकर
(D) रोकर

(iii) घोर अँधेरी रात देखकर कवि ने क्या किया ?
(A) मार्ग प्रशस्त करने के लिए अकेला ही आगे बढ़ गया ।
(B) अपने-परायों से सहायता की उम्मीद की ।
(C) अंधकार से भयभीत होकर पीछे हट गया ।
(D) अपने-परायों की सहायता से आगे बढ़ गया ।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) कवि ने अमृत की चाह क्यों नहीं की **?**
(A) उसे अमृत दुखदायी लगता था ।
(B) वह विष पीने का आदी था ।
(C) उसे अमृत अच्छा नहीं लगता था ।
(D) वह अमर नहीं होना चाहता था ।

(v) **"**आघातों-प्रत्याघातों में**"** का आशय है **:**
(A) विघ्न बाधाओं में
(B) वाद-विवाद में
(C) विचारों के समूह में
(D) तर्क-वितर्क में

(vi) कवि का उद्घोष क्या है **?**
(A) हार स्वीकार कर लेने का
(B) हार नहीं स्वीकारने का
(C) जीवन भर हारते रहने का
(D) पराजय में आनंदित होने का

(vii) **'**उत्पातों**'** शब्द से कवि का अभिप्राय है **:**
(A) उल्कापातों से
(B) उपद्रवों से
(C) ऊपर उठकर गिरने से
(D) आमंत्रणों से

(viii) **'**दुख की व्यथा सर्वव्यापी है**'** इस भाव को व्यक्त करने वाली पंक्ति है **:**
(A) सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने
(B) हार नहीं जीते जी मानूँगा
(C) और लड़ूंगा उत्पातों से
(D) आघातों प्रत्याघातों में नया सत्य आएगा ।
Solution. (i) (B) घोर अँधेरा

(ii) (C) खुलकर

(iii) (A) मार्ग प्रशस्त करने के लिए अकेला ही आगे बढ़ गया।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) (D) वह अमर नहीं होना चाहता था।

(v) (A) विघ्न बाधाओं में

(vi) (B) हार नहीं स्वीकारने का

(vii) (B) उपद्रवों से

(viii) (A) सबके प्राण तड़पते हैं जाने-अनजाने

Q.2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

सुख तथा दुख में साथ देने वाला तथा समान क्रिया वाला मित्र कहलाता है । वस्तुतः, मित्रता दो हृदयों को बाँधने वाली प्रेम की डोर है। मनुष्य जीवन के पथ पर एकाकी चलने में कठिनाई का अनुभव करता है, उसे ऐसे व्यक्ति की खोज रहती है जो उसके हर्ष और विषाद में साथ देने वाला हो, जिसके सामने वह मन-प्राणों की कोई लिपि गुप्त न रहने दे, जिसके ऊपर अपने विश्वास की दीवार खड़ी कर सके। अतः मित्रता मन की वह प्यास है जिसके लिए मनुष्य तड़पता रहता है और वह व्यक्ति बड़ा ही भाग्यवान् है जिसकी यह प्यास बुझ जाती है। इसलिए मित्रता का बड़ा गुणगान किया जाता है । बाइबिल में कहा गया है कि 'एक विश्वासी मित्र जीवन के लिए महौषध है'। सच्चे मित्र जीवन में आनन्द की वर्षा करते हैं। सन्मित्र जीवन के निराधार सागर में सुदृढ़ कर्णधार की भाँति प्रेम नाव लेकर उस पार लगा देते हैं। किन्तु यदि मित्रता असली हो तब तो वह स्वर्गीय प्रकाश है, यदि नकली हो तो नारकीय अंधकार । सच्ची मित्रता फॉस्फोरस की तरह ज्योति फैलाकर मित्र के संकट के अंधकार को क्षणभर में दूर कर देती है। सज्जनों से मित्रता की छाया दोपहर के बाद की छाया की तरह बढ़ती जाती है। इसके विपरीत दुष्टों से मित्रता सुबह की छाया की तरह पहले तो काफी बड़ी लगती है लेकिन बीच दोपहर में ही छोटी हो जाती है। अतः मित्र के चयन में सावधानी रखनी चाहिए । सच्चा मित्र, मित्र की सदा भलाई चाहता है, उसके लिए अपने प्राणों की आहुति देने के लिए भी तैयार रहता है। वह बराबर अपने मित्र को बुरे मार्ग पर जाने से रोकता है तथा सुपथ पर चलाने का प्रयास करता है। ठीक इसके विपरीत कपटी मित्र बड़े घातक होते हैं, उनकी मित्रता केवल शब्दों की मित्रता होती है। ये मित्र को ललकारकर आगे तो बढ़ा देते हैं किन्तु पीछे से लंगी मारने में इन्हें न संकोच होता है और न लाज ही लगती है। मित्रों के पास ये तभी तक मँडराते रहते हैं जब तक उनके पास लुटाने को पैसे होते हैं किन्तु दीनता और संकट में साथ छोड़ देते हैं। ऐसे मित्रों

collegedunia
India's largest Student Review Platform

को उस कुंभ के समान छोड़ देना चाहिए जिसके ऊपर तो दूध हो और नीचे विष भरा हो। वे सचमुच भाग्यशाली हैं जिन्हें कोई सच्चा मित्र मिल जाता है। समान पुरुषों की मिताई हो जाय तो अच्छा, किन्तु यदि असमान स्थिति वाले सहृदय लोगों में वह मित्रता हो तो क्या कहना !

(i) गद्यांश के अनुसार मानव को जीवन में मित्र की तलाश क्यों रहती है **?**
(A) दुख दूर करने के लिए
(B) दो हृदयों को बाँधने के लिए
(C) एकाकी जीवन की कठिनाइयों से बचने के लिए
(D) कठिन परिस्थितियों में मार्गदर्शन के लिए

(ii) सच्ची मित्रता का क्या लक्षण है **?**
(A) मित्र के गुणों का बखान करना
(B) सुख-दुख में साथ निभाना
(C) जीवन में आनंद की वर्षा करना
(D) मित्र के साथ हास-परिहास करना

(iii) गद्यांश के अनुसार सज्जनों की मित्रता है **:**
(A) सुबह की घनी छाया
(B) दोपहर की छोटी छाया
(C) दोपहर बाद की छाया
(D) रात्रि की घनी छाया

(iv) 'दुर्जनों की मित्रता रूपी छाया दोपहर में ही छोटी हो जाती है।' आशय है **:** इस कथन का
(A) इनकी मित्रता कुछ समय के लिए ही होती है।
(B) संकट आते ही दुर्जन मित्र को बीच में छोड़ देते हैं ।
(C) दोपहर की छाया दुर्जनों के समान होती है।
(D) दोपहर का ताप दुर्जनों के समान कष्टदायी है।
(v) वास्तविक मित्रता के लिए गद्यांश में कहा गया है **:**
(A) स्वर्गीय आभा
(B) स्वर्गीय सुमन
(C) नारकीय अंधकार
(D) स्वर्गीय प्रकाश

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(vi) गद्यांश के आधार पर मित्रता कैसी होनी चाहिए **?**
(A) दोपहर में ही कम हो जाने वाली धूप की तरह
(B) दोपहर के बाद की छाया की तरह
(C) सुबह की भरपूर छाया की तरह
(D) दिनभर की छाया की तरह बढ़ती-घटती

(vii) **'पीछे से लंगी मारना'** का अर्थ है **:**
(A) लाठी मारना
(B) बाधा उपस्थित करना
(C) तलवार चलाना
(D) धोखा देना

(viii) गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा कथन सही है **?**
(A) सच्चा मित्र संकटों के पहाड़ को दूर करता है।
(B) मित्र के दुख में दुखी न होने वाले व्यक्ति को देखने से पाप लगता है।
(C) सच्चा मित्र अपने दुख से बड़ा मित्र का दुख मानता है ।
(D) मित्र की इच्छानुसार काम करने वाला व्यक्ति ही सच्चा मित्र है।

(ix) गद्यांश में दीनता और संकट में साथ छोड़ने वाले मित्र की तुलना की गई है **:**
(A) नीचे विष ऊपर दूध से भरा कुंभ
(B) विष से भरा पूरा कुंभ
(C) दूध से भरा पूरा कुंभ
(D) नीचे दूध और ऊपर विष से भरा कुंभ

(x) गद्यांश में उत्तम मित्रता मानी गई है **:**
(A) असमान व्यक्तियों के बीच होने वाली
(B) समान व्यक्तियों के बीच होने वाली
(C) समान-असमान व्यक्तियों के बीच होने वाली
(D) दो अनजान व्यक्तियों के बीच होने वाली

Solution. (i) (C) एकाकी जीवन की कठिनाइयों से बचने के लिए

(ii) (B) सुख-दुख में साथ निभाना

(iii) (C) दोपहर बाद की छाया

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(iv) (A) इनकी मित्रता कुछ समय के लिए ही होती है।

(v) (D) स्वर्गीय प्रकाश

(vi) (B) दोपहर के बाद की छाया की तरह

(vii) (D) धोखा देना

(viii) (C) सच्चा मित्र अपने दुख से बड़ा मित्र का दुख मानता है।

(ix) (A) नीचे विष ऊपर दूध से भरा कुंभ

(x) (B) समान व्यक्तियों के बीच होने वाली

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

Q.3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

फरइ कि कोदव बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।। सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू ।। बिनु समुझें निज अघ परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।। हृदयँ हेरि हारेउँ सब ओरा । एकहि भाँति भलेंहि भल मोरा ।। गुर गोसाइँ साहिब सिय रामू । लागत मोहि नीक परिनामू ।।

(i) काव्यांश में आए **'**कोदव**'** का अर्थ है **:**
(A) मोटा चावल
(B) उत्तम अनाज
(C) सुगंधित चावल
(D) खाने योग्य चावल

(ii) कवि ने भरत के दुर्भाग्य की तुलना किससे की है **?**
(A) घनघोर बादल से
(B) अथाह समुद्र से
(C) विशाल पृथ्वी से

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(D) अचल नगराज से

(iii) 'जारिउँ जायँ जननि कहि काकू' का आशय है :
(A) माता की बहुत सेवा की है
(B) माता की आज्ञा का पालन नहीं किया है
(C) माता को देखने नहीं गया
(D) माता को कटुवचन कहकर बहुत सताया है

(iv) भरत स्वयं के जीवन में आने वाली स्थितियों के लिए दोषी मानते हैं :
(A) माता कैकेयी को
(B) राजा दशरथ को
(C) अपने भाग्य को
(D) दासी मंथरा को

(v) काव्यांश में किसके प्रेम का वर्णन है ?
(A) भरत का कैकेयी के प्रति
(B) राम का कौशल्या के प्रति
(C) राम का कैकेयी के प्रति
(D) भरत का राम के प्रति

Solution. (i) (B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के समान

(ii) (A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना

(iii) (B) ब्रेकिंग न्यूज

(iv) (C) प्रभासाक्षी

(v) (B) फ़ीचर

Q.4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

बूढ़ी माता, बोली "मैं तो बबुआ से कह रही थी कि जाकर दीदी को लिवा लाओ, यहीं रहेगी। वहाँ अब क्या रह गया है ? ज़मीन-जायदाद तो सब चली ही गई । तीनों देवर अब शहर में

collegedunia
India's largest Student Review Platform

जाकर बस गए हैं। कोई खोज खबर भी नहीं लेते। मेरी बेटी अकेली ...।" "नहीं मायजी ! ज़मीन-जायदाद अभी भी कुछ कम नहीं। जो है, वही बहुत है। टूट भी गई है, है तो आखिर बड़ी हवेली ही। 'सवांग' नहीं है, यह बात ठीक है! मगर, बड़ी बहुरिया का तो सारा गाँव ही परिवार है। हमारे गाँव की लक्ष्मी है बड़ी बहुरिया । ... गाँव की लक्ष्मी गाँव को छोड़कर शहर कैसे जाएगी? यों, देवर लोग हर बार आकर ले जाने की ज़िद करते हैं।"

(i) प्रस्तुत गद्यांश का संवाद किनके बीच का है ?
(A) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया के भाई के बीच का
(B) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया की बूढ़ी माँ के बीच का
(C) संवदिया और बड़ी बहुरिया के बीच का
(D) हरगोबिन और संवदिया के बीच का

(ii) बूढ़ी माता के कथन में उसके मन का कौन-सा भाव प्रकट हो रहा है ?
(A) जमीन-जायदाद का चले जाना
(B) बेटी के अकेलेपन का दुख
(C) तीनों देवरों का शहर में जा बसना
(D) बेटी का कोई संरक्षक न होना

(iii) बूढ़ी माता की चिंता को हरगोबिन ने कैसे शांत किया ?
(A) आत्म प्रशंसा करके
(B) बड़ी हवेली का महत्त्व बताकर
(C) बड़ी बहुरिया को सुखी बताकर
(D) बड़ी बहुरिया को गाँव के परिवार का अंग बताकर
(iv) हरगोबिन ने बड़ी हवेली का बड़प्पन क्यों बखाना ?
(A) बूढ़ी माता को खुश करने के लिए
(B) अपनी झूठ बोलने की आदत दिखाने के लिए
(C) व्यवहार कुशलता दिखाने के लिए
(D) बोलने की अपनी चतुरता दिखाने के लिए

(v) "हमारे गाँव की लक्ष्मी है, बड़ी बहुरिया" हरगोबिन ने ऐसा क्यों कहा ?
(A) बूढ़ी माँ को निरुत्तर करने के लिए
(B) बूढ़ी माँ को बेटी की तरफ से चिंता मुक्त करने के लिए
(C) बड़ी हवेली का महत्त्व बढ़ाने के लिए
(D) बूढ़ी माँ को बड़ी हवेली ले जाने के लिए

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution. (i) (B) हरगोबिन और बड़ी बहुरिया की बूढ़ी माँ के बीच का

(ii) (B) बेटी के अकेलेपन का दुख

(iii) (D) बड़ी बहुरिया को गाँव के परिवार का अंग बताकर

(iv) (A) बूढ़ी माता को खुश करने के लिए

(v) (B) बूढ़ी माँ को बेटी की तरफ से चिंता मुक्त करने के लिए

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न**)**

Q.5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए **:**

(i) जनसंचार के विभिन्न माध्यमों की सुंदरता होती है **:**
(A) छह ऋतुओं की छटा के समान
(B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के समान
(C) वसंत ऋतु के दृश्यों के समान
(D) वर्षा की रिमझिम के समान

(ii) मुद्रित माध्यमों में लेखन के लिए आवश्यक होता है **:**
(A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना
(B) प्रकाशन में समय की चिन्ता से मुक्त रहना
(C) समय और स्थान के अनुशासन की चिन्ता न करना
(D) भाषा संबंधी अशुद्धियों पर गौर न करना

(iii) जब कोई बड़ी खबर तत्काल दर्शकों तक पहुँचाई जाती है, तो उसे कहते हैं **:**
(A) लाइव
(B) ब्रेकिंग न्यूज
(C) एंकरबाइट
(D) फोन-इन

(iv) केवल इन्टरनेट पर मौजूद अख़बार का नाम है **:**
(A) प्रभात खबर

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(B) हिंदुस्तान टाइम्स
(C) प्रभासाक्षी
(D) नवभारत टाइम्स

(v) सूचनाओं के साथ-साथ मनोरंजन पर भी ध्यान दिए जाने वाले सुव्यवस्थित, सृजनात्मक, आत्मनिष्ठ लेखन को कहते हैं:
(A) आलेख
(B) फ़ीचर
(C) संपादकीय
(D) विशेष लेखन

Solution. (i) (B) इन्द्रधनुषी रंगों की छटा के समान

(ii) (A) भाषा, व्याकरण, वर्तनी और शैली का ध्यान रखना

(iii) (B) ब्रेकिंग न्यूज

(iv) (C) प्रभासाक्षी

(v) (B) फ़ीचर

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.6. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए :

(i) "भैरों को दम के दम इतने रुपए मिल गए अब यह मौज उड़ाएगा ऐसा ही कोई माल मेरे हाथ भी पड़ जाता तो ज़िंदगी सफल हो जाती" यह कथन है :
(A) भैरों का
(B) सुभागी का
(C) जगधर का
(D) बजरंगी का

(ii) "सूरदास गर्म राख में कुछ टटोल रहा था" लेखक ने उसे अभिलाषाओं की राख क्यों कहा है ?

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(A) झोंपड़ी जलकर उसका फूस राख में परिवर्तित होने के कारण
(B) ज़िंदगीभर की उसकी जमा पूँजी के नष्ट हो जाने के कारण
(C) राख में पोटली न मिलने पर उसकी अभिलाषाओं का अंत होने के कारण
(D) पोटली खोजने के प्रयास में पैर फिसल जाने से गहराई में गिर जाने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :
कथन: गाँवों का जीवन सीधा-सादा होता है।
कारण : गाँवों में प्रकृति का स्वच्छंद और निर्मल रूप दिखाई देता है ।
विकल्प : **(A)** कथन सही है, लेकिन कारण ग़लत है।
(B) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।
(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। **(D)** कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(iv) फूलों की गंध से अनेक बीमारियों से बचाव का उल्लेख :
(A) एक परंपरा है
(B) एक अंधविश्वास है
(C) एक दंतकथा है
(D) एक कही सुनी बात है

(v) नर्मदा नदी के चिढ़ने और तिनतिन फिनफिन करके बहने का कारण था :
(A) उसके पानी का प्रदूषित हो जाना
(B) उस पर विशाल बाँध बनाया जाना
(C) उसके पानी का दोहन किया जाना
(D) उसके किनारे पर निर्माण किया जाना

(vi) 'बिस्कोहर की माटी' कथा के केंद्र में है :
(A) फूल और फल
(B) बिस्कोहर और बिसनाथ
(C) गाँव और वातावरण
(D) साँप और सब्ज़ी

(vii) स्तंभ-**I** में दिए गए पदों को स्तंभ-**II** में दिए गए प्रतीकार्थों से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए :

स्तंभ-**1**	स्तंभ-**II**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

1. ओंकारेश्वर **(i)** बाँध
2. गाँधी सागर **(ii)** पर्वत
3. कालीसिंध **(iii)** नदी
4. जानापाव **(iv)** तीर्थस्थल विकल्प **:**

(A) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii)
(B) 1-(iii), 2-(iv), 3-(i), 4-(ii)
(C) 1-(iv), 2-(i), 3-(iii), 4-(ii)
(D) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i), 4-(iv)

Solution. (i) (B) सुभागी का

(ii) (B) ज़िंदगीभर की उसकी जमा पूँजी के नष्ट हो जाने के कारण

(iii) (C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) (B) एक अंधविश्वास है

(v) (B) उस पर विशाल बाँध बनाया जाना

(vi) (B) बिस्कोहर और बिसनाथ

(vii) (C) 1-(iv), 2-(i), 3-(iii), 4-(ii)

खण्ड ब **(**वर्णनात्मक प्रश्न**)**
(जनसंचार और सृजनात्मक लेखन पर आधारित प्रश्न**)**

Q.7. निम्नलिखित तीन शीर्षकों में से किसी एक शीर्षक पर लगभग **100** शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए **:**

(क**)** भोजन की बर्बादी को रोकना आवश्यक है
(ख**)** भाग्य और पुरुषार्थ
(ग**)** हमारे कर्तव्य

collegedunia
India's largest Student Review Platform

Solution. (क) भोजन की बर्बादी को रोकना आवश्यक है

भोजन की बर्बादी को रोकना हमारी जिम्मेदारी है, क्योंकि यह केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि एक सामाजिक दायित्व भी है। हर साल, लाखों टन भोजन बर्बाद हो जाता है, जबकि लाखों लोग भूख से पीड़ित होते हैं। इस बर्बादी का न केवल आर्थिक असर होता है, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों की भी कमी होती है। हमें चाहिए कि हम अपनी जरूरत के अनुसार ही भोजन करें और बचे हुए भोजन को सही तरीके से संभालें या दूसरों के साथ साझा करें। छोटे-छोटे प्रयास, जैसे कि भोजन के हिस्से को कम करना, उचित संरक्षण और खाद्य पदार्थों का सही प्रबंधन, भोजन की बर्बादी को कम कर सकते हैं और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

(ख) भाग्य और पुरुषार्थ

भाग्य और पुरुषार्थ, दोनों ही जीवन में सफलता के महत्वपूर्ण तत्व हैं। भाग्य हमें अवसर और स्थिति प्रदान करता है, लेकिन उसे सही दिशा में प्रयोग करने का काम पुरुषार्थ का होता है। भाग्य का मतलब है कि हमें कौन से अवसर मिलते हैं, लेकिन पुरुषार्थ का मतलब है कि हम उन अवसरों का कितना सदुपयोग करते हैं। केवल भाग्य पर निर्भर रहना हमें निष्क्रिय बना सकता है, जबकि पुरुषार्थ हमें सक्रिय और संघर्षशील बनाता है। सफलता पाने के लिए, दोनों का संतुलित उपयोग आवश्यक है - भाग्य हमें अवसर देता है और पुरुषार्थ हमें उन अवसरों को संजोने की ताकत प्रदान करता है।

(ग) हमारे कर्तव्य

हमारे कर्तव्य समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों को दर्शाते हैं। ये कर्तव्य केवल कानूनी नहीं बल्कि नैतिक भी होते हैं। हमें अपने कर्तव्यों को निभाते समय ईमानदारी और निष्ठा का पालन करना चाहिए, चाहे वह अपने परिवार की जिम्मेदारियों को निभाना हो या समाज की भलाई के लिए योगदान देना हो। पर्यावरण की सुरक्षा, शिक्षा का प्रसार, और समाज में सकारात्मक बदलाव लाना हमारे कर्तव्यों का हिस्सा हैं। जब हम अपने कर्तव्यों को सही ढंग से निभाते हैं, तब समाज और राष्ट्र की प्रगति सुनिश्चित होती है और हम व्यक्तिगत रूप से भी संतुष्टि प्राप्त करते हैं।

Q.8 निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**
(क) साहित्य की अन्य विधाओं की तुलना में कविता हमारे मन को क्यों छू लेती है **?**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ख) नाटक की घटनाओं को वर्तमान में घटित होते क्यों दिखाया जाता है **?**

(ग) कहानी में संवाद के लिए किस प्रकार के संवादों को महत्त्वपूर्ण माना जाता है **?**

Solution. (क) कविता की विशेषता उसकी संक्षिप्तता और गहन भावनात्मक प्रभाव में है। कविता छोटे, संक्षिप्त रूप में गहरे भावनात्मक और मानसिक अनुभवों को व्यक्त करती है, जो सामान्यतः अन्य साहित्यिक विधाओं में कठिन होता है। इसके शब्द, ध्वनि, लय और छवियाँ सीधे हृदय तक पहुँचती हैं, जिससे पाठक के अंदर गहरी भावनाओं और संवेदनाओं को उत्तेजित किया जाता है। कविता के शिल्प और शैली के चलते, यह पाठकों के मन को विशेष रूप से छूने और प्रभावित करने में सक्षम होती है।

(ग) कहानी में संवाद तब महत्त्वपूर्ण होते हैं जब वे चरित्रों की पहचान, उनकी भावनाओं और विचारों को स्पष्ट करते हैं। प्रभावी संवाद उन क्षणों को उजागर करते हैं जब पात्रों की आंतरिक दुनिया बाहर आती है और कहानी की प्रगति को गति देती है। संवादों को वास्तविक और स्वाभाविक होना चाहिए, जिससे पाठक पात्रों के साथ जुड़ाव महसूस कर सके। ये संवाद कथानक को आगे बढ़ाने, पात्रों की गतिशीलता को दिखाने और पाठकों के अनुभव को समृद्ध करने में सहायक होते हैं।

Q.9. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर लगभग **60** शब्दों में उत्तर लिखिए **:**

(क) खेल संबंधी विशेष लेखन के लिए खेल पत्रकार में किन विशेषताओं का होना आवश्यक है **?**

(ख) फ़ीचर लेखन की शैली क्या होती है**?** विस्तार से लिखिए।

Solution. (क) खेल संबंधी विशेष लेखन के लिए खेल पत्रकार में कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ होनी चाहिए। सबसे पहले, खेल की गहरी समझ और उसके नियमों का ज्ञान आवश्यक है। पत्रकार को खेल की तकनीकी और रणनीतिक पहलुओं को समझना होगा ताकि वह पाठकों को सही और विश्लेषणात्मक जानकारी प्रदान कर सके। इसके साथ ही, एक अच्छा खेल पत्रकार को खेल से जुड़ी ताजातरीन घटनाओं पर नज़र रखनी होती है और सही समय पर अपडेट्स प्रदान करने की क्षमता होनी चाहिए। पत्रकार का निष्पक्ष और सटीक लेखन शैली भी महत्वपूर्ण है, ताकि पाठक को सही और संतुलित दृष्टिकोण मिल सके।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ख) फ़ीचर लेखन की शैली पत्रकारिता की एक विशेष विधा है जिसमें गहराई और विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की जाती है। इसमें जानकारी के साथ-साथ विश्लेषण, विचार और दृष्टिकोण शामिल होते हैं। फ़ीचर लेखन में लेखक कहानी की तरह विवरण प्रस्तुत करता है, जिसमें घटनाओं का पृष्ठभूमि, पात्रों का चरित्र और संदर्भित मुद्दे को विस्तार से समझाया जाता है। यह शैली अधिक भावनात्मक और व्यक्तिगत हो सकती है, और इसमें जीवंत चित्रण, विचारोत्तेजक प्रश्न, और संवादों का उपयोग किया जाता है। फ़ीचर लेखन का उद्देश्य पाठक को विषय की जटिलताओं और गहराइयों को समझाना और उन्हें सोचने पर मजबूर करना होता है। इस शैली में लेखक अपनी सृजनात्मकता का पूरा उपयोग करता है और आमतौर पर लेख को रोचक और आकर्षक बनाता है।

(पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.10 पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए :

(क) 'यह दीप अकेला' कविता के संदर्भ में 'लघु मानव' की 'दीप' के साथ तुलना का कारण स्पष्ट करते हुए उसके अस्तित्व की महत्ता लिखिए।

(ख) 'बनारस' कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए कि 'वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ' का क्या तात्पर्य है।

(ग) 'विद्यापति' के पद के आधार पर लिखिए कि कोकिल और मधुकर की ध्वनि का नायिका पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों ?

Solution. (क) "यह दीप अकेला' कविता में 'लघु मानव' की 'दीप' के साथ तुलना इस बात को स्पष्ट करती है कि कैसे एक साधारण, नगण्य लगने वाली चीज़ भी अपने अस्तित्व में महत्वपूर्ण हो सकती है। दीप की छोटी सी चमक, जैसे मानव जीवन की छोटी-छोटी बातें, संसार को रोशन करती हैं। इस तुलना के माध्यम से कवि यह बताना चाहता है कि हर व्यक्ति, भले ही वह कितना भी छोटा या साधारण क्यों न हो, उसकी उपस्थिति और कर्म महत्वपूर्ण होते हैं और समाज में उसका योगदान मायने रखता है।

(ख) 'बनारस' कविता में 'वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ' पंक्ति का तात्पर्य यह है कि बनारस की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में तुलसीदास की दिव्य उपस्थिति और उनकी काव्य-रचनाओं की अमिट छाप अब भी विद्यमान है। खड़ाऊँ, तुलसीदास के चरणों का प्रतीक होते हुए, इस बात का संकेत है कि बनारस में उनकी धार्मिक और

collegedunia
India's largest Student Review Platform

साहित्यिक विरासत आज भी स्थिर और सम्मानित है। यह पंक्ति बनारस की सांस्कृतिक धरोहर और तुलसीदास की अद्‌वितीयता को प्रकट करती है।

Q.11. निम्नलिखित में से किसी एक काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए

(क) के पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास । हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।। एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए । सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।। मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल । गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।।
अथवा

(ख) इस शहर में धूल धीरे-धीरे उड़ती है धीरे-धीरे चलते हैं लोग धीरे-धीरे बजते हैं घंटे शाम धीरे-धीरे होती है यह धीरे-धीरे होना धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है कि हिलता नहीं है कुछ भी कि जो चीज़ जहाँ थी वहीं पर रखी है कि गंगा वहीं है कि वहीं पर बँधी है नाव कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ सैकड़ों बरस से

Solution. काव्यांश की प्रसंग सहित व्याख्या

(क) काव्यांश:

(क) पतिआ लए जाएत रे मोरा पिअतम पास । हिए नहि सहए असह दुख रे भेल साओन मास ।। एकसरि भवन पिआ बिनु रे मोहि रहलो न जाए । सखि अनकर दुख दारुन रे जग के पतिआए ।। मोर मन हरि हर लए गेल रे अपनो मन गेल । गोकुल तेजि मधुपुर बस रे कन अपजस लेल ।।

प्रसंग:

यह काव्यांश कवि की व्यक्तिगत भावनाओं और पीड़ा को दर्शाता है, विशेष रूप से प्रेमी के बिना रहने की कष्टकारी स्थिति को। इस कविता में कवि ने अपने प्रेमी के बिना बिताए गए समय के दुख और सर्दी के मौसम की निराशाजनक स्थिति का वर्णन किया है। यह काव्यांश विशेष रूप से "साओन मास" (सावन का महीना) के समय की कठिनाइयों को चित्रित करता है जब कवि के दिल में प्रेमी की अनुपस्थिति के कारण गहन दुख और पीड़ा होती है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

व्याख्या:

इस काव्यांश में कवि अपने प्रिय के बिना होने की पीड़ा और दुख को व्यक्त करता है। कवि कहता है कि सावन का महीना (साओन मास) असहनीय दुख और दर्द लेकर आता है, क्योंकि इस मौसम में उसने अपने प्रिय के बिना समय बिताया है। उसे इस स्थिति में दुख की एक असहनीय अनुभूति हो रही है, जिसमें उसे न तो कहीं सुख की खोज मिल रही है और न ही अपने प्रिय के बिना वह अपना दिल थाम सकता है।

कवि इस समय को अत्यंत कठिन और दुःखद मानते हैं और अन्य लोगों के दुखों को भी देखते हैं, जो उनके अपने दुख के साथ जुड़ जाते हैं। कवि की भावनाएं गहन और सच्ची हैं, क्योंकि उन्होंने अपने मन की स्थिति को सच्चाई से उजागर किया है। इस तरह की कविता भावनात्मक गहराई और प्रेम की असहनीयता को उजागर करती है, जो प्रेमी की अनुपस्थिति में और भी बढ़ जाती है।

(ख) काव्यांश:
इस शहर में धूल धीरे-धीरे उड़ती है धीरे-धीरे चलते हैं लोग धीरे-धीरे बजते हैं घंटे शाम धीरे-धीरे होती है यह धीरे-धीरे होना धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है कि हिलता नहीं है कुछ भी कि जो चीज़ जहाँ थी वहीं पर रखी है कि गंगा वहीं है कि वहीं पर बँधी है नाव कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ सैकड़ों बरस से

प्रसंग:
यह काव्यांश शहर के स्थायित्व, उसकी संरचना और वहां की धारा को दर्शाता है। कवि ने शहर की शांत और स्थिर लय को व्यक्त किया है, जहाँ समय की गति धीमी और स्थिर है। शहर की धूल, लोगों की चाल, घंटे की आवाज, और शाम की धीमी प्रक्रिया को कवि ने एक स्थिर और संयमित दृश्य में प्रस्तुत किया है।

व्याख्या:
काव्यांश शहर के स्थिर और नियमित जीवन को चित्रित करता है। कवि ने शहर की धूल और वहां के विभिन्न घटकों की धीमी गति का उल्लेख किया है, जिससे यह महसूस होता है कि शहर का जीवन धीरे-धीरे और स्थिरता से चलता है। यह धीरे-धीरे होने की लय और दृढ़ता को व्यक्त करता है, जिसमें कुछ भी अस्थिर नहीं होता।

कवि ने गंगा नदी और तुलसीदास की खड़ाऊँ का भी उल्लेख किया है, जो शहर के स्थायित्व और समय की निरंतरता को दर्शाते हैं। गंगा वही है, नाव वही बंधी है, और

collegedunia
India's largest Student Review Platform

तुलसीदास की खड़ाऊँ सैकड़ों वर्षों से वही रखी है। यह सब मिलकर यह दिखाता है कि शहर एक ठहराव और स्थिरता की स्थिति में है, जहाँ समय और घटनाएँ धीरे-धीरे होती हैं और कुछ भी हिलता या गिरता नहीं है।

Q.12 गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग **40** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'शेर' कहानी के संदर्भ में लिखिए कि लेखक शहर क्यों भागा।

(ख) 'गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' पाठ में आए **'बाजीगर'** प्रसंग से क्या प्रेरणा मिलती है **?**

(ग) 'ढेले चुन लो' पाठ में दुर्लभ बंधु के पेटियों की कथा का उल्लेख क्यों किया गया है**?**

Solution. (क) 'शेर' कहानी में लेखक शहर इसलिए भागा क्योंकि उसने एक शेर के साथ अपने अहिंसावादी, न्यायप्रिय और बुद्ध के अवतार जैसे आचरण की असली प्रकृति को समझ लिया। जब शेर ने अपनी असलियत में आकर उसे मारने का प्रयास किया, तो लेखक ने महसूस किया कि अहिंसा और न्याय की बातें केवल आदर्श हैं और वास्तविकता में जीवित रहने के लिए उसे सुरक्षित जगह पर भागना पड़ा।

(ख) 'गाँधी, नेहरू और यास्सेर अराफात' पाठ में 'बाजीगर' प्रसंग से प्रेरणा मिलती है कि सच्ची नेतृत्व क्षमता और राजनीतिक चातुर्य में केवल शक्ति का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि समझदारी और रणनीति की भी आवश्यकता होती है। बाजीगर का प्रतीकात्मक प्रयोग यह दर्शाता है कि कैसे सफल राजनीति और नेतृत्व में अनुकूल परिस्थितियों का लाभ उठाना और प्रभावी रूप से रणनीति बनाना महत्वपूर्ण होता है।

(ग) 'ढेले चुन लो' पाठ में दुर्लभ बंधु के पेटियों की कथा का उल्लेख इस उद्देश्य के लिए किया गया है कि यह दिखाया जा सके कि किसी व्यक्ति की महत्वाकांक्षा और संपत्ति की वृद्धि के बावजूद, जब वो सामाजिक और मानवीय मूल्यों से दूर हो जाता है, तो उसकी संपत्ति और ऐश्वर्य का कोई मूल्य नहीं रह जाता। पेटियों की कथा इस बात को स्पष्ट करती है कि बेतहाशा भौतिक संपत्ति भी मानव जीवन के सार को नहीं बदल सकती।

Q.13. निम्नलिखित गद्यांशों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए **:**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(क) जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक की तरह संसार में रहकर, संपूर्ण भोगों को भोगकर भी उनसे मुक्त है। जनक की ही भाँति वह घोषणा करता है- 'मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरे के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ।'
अथवा

(ख) यकायक सहस्र दीप जल उठते हैं पंडित अपने आसन से उठ खड़े होते हैं। हाथ में अँगोछा लपेट के पंचमंजिली नीलांजलि पकड़ते हैं और शुरू हो जाती है आरती । घंटे घड़ियाल बजते हैं। मनौतियों के दिये लिए हुए फूलों की छोटी-छोटी किश्तियाँ गंगा की लहरों पर इठलाती हुई आगे बढ़ती हैं। गोताखोर दोने पकड़, उनमें रखा चढ़ावे का पैसा उठाकर मुँह में दबा लेते हैं। एक औरत ने इक्कीस दोने तैराएँ हैं। गंगापुत्र जैसे ही एक दोने से पैसा उठाता है, औरत अगला दोना सरका देती है। गंगापुत्र उस पर लपकता है कि पहले दोने की दीपक से उसके लँगोट में आग की लपट लग जाती है। पास खड़े लोग हँसने लगते हैं। पर गंगापुत्र हतप्रभ नहीं होता। वह झट गंगाजी में बैठ जाता है। गंगा मैया ही उसकी जीविका और जीवन है।

Solution. गद्यांश (ख) की सप्रसंग व्याख्या:

इस गद्यांश में गंगा की आरती का दृश्य और उसके साथ जुड़े सामाजिक और धार्मिक पहलुओं का चित्रण किया गया है। पंडितजी के हाथ में अँगोछा और पंचमंजिली नीलांजलि पकड़ने के बाद शुरू होने वाली आरती एक भव्य धार्मिक उत्सव का प्रतीक है। सहस्र दीपों की जलन, घंटे-घड़ियाल की ध्वनि, और गंगाजी में तैरते मनौतियों के दोने इस उत्सव की दिव्यता और महत्ता को दर्शाते हैं।

गद्यांश में एक और महत्वपूर्ण दृश्य का वर्णन किया गया है: गंगापुत्र द्वारा चढ़ावे का पैसा उठाने की प्रक्रिया और एक औरत द्वारा लगातार दोने तैराने की घटना। यहाँ पर एक दोना पकड़ते समय गंगापुत्र की लँगोट में आग लग जाती है, जिसे देखकर लोग हँसते हैं, लेकिन गंगापुत्र अपने कर्तव्य में अडिग रहता है।

इस घटना के माध्यम से यह दर्शाया गया है कि गंगापुत्र की जीविका और जीवन गंगा जी पर निर्भर है। गंगापुत्र का यह व्यवहार उसकी श्रद्धा, धैर्य, और धर्म के प्रति अडिग निष्ठा को उजागर करता है। गंगा में उसकी आत्मिक और जीवन की पूरी आसक्ति उसके जीवन

collegedunia
India's largest Student Review Platform

की वास्तविकता को स्पष्ट करती है, और इस घटना से यह स्पष्ट होता है कि समाज में धार्मिक अनुष्ठान और उसके कर्मकांडों का कितना गहरा प्रभाव होता है।

इस प्रकार, गद्यांश एक धार्मिक उत्सव के भव्य और उत्साही वातावरण के साथ-साथ, व्यक्तिगत विश्वास और जीवन के संपूर्ण अर्थ को भी चित्रित करता है।

(पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

Q.14. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग **60** शब्दों में लिखिए **:**

(क) 'माँ के अंक में लिपटकर माँ का दूध पीना जड़ के चेतन होने की यात्रा मानव जन्म लेने की सार्थकता है।' इस कथन का आशय 'बिस्कोहर की माटी' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए ।
अथवा

(ख) 'अपना मालवा खाऊ ..' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'नदी का सदानीरा रहना जीवन के स्रोत का सदा जीवित रहना है।' के संदर्भ में नदियों का जीवन में महत्त्व स्पष्ट कीजिए । मनुष्य नदियों को क्षति कैसे पहुँचा रहा है ?

Solution. (क) "बिस्कोहर की माटी' में कहानी के केंद्र में बिस्कोहर नामक एक साधू है, जो गाँव की माटी से जुड़ी पुरानी स्मृतियों और धार्मिकता को निभाते हुए जीवन जीता है। उसकी ज़िंदगी का मूल तत्व उस माटी से जुड़ा हुआ है, जो उसे जीवन की ऊर्जा और चेतना प्रदान करता है।

जब बिस्कोहर अपनी माटी को छोड़कर नए स्थान पर जाता है, तो वह अपनी जड़ों से कट जाता है। यह संदर्भ "माँ के अंक में लिपटकर माँ का दूध पीना" के समान है। यथार्थ में, मानव जीवन की सार्थकता उसके मूल से जुड़ी रहती है, और माँ के अंक में लिपटकर दूध पीना जीवन की पहली अवस्था को दर्शाता है, जहां वह जड़ता से चेतना की ओर बढ़ता है। इसी तरह, बिस्कोहर की माटी उसकी चेतना का स्रोत है, और उसका जीवन वहीं सार्थक होता है।

इस प्रकार, 'बिस्कोहर की माटी' कहानी में माटी की महत्वपूर्ण भूमिका बताती है कि जड़ से चेतना की ओर बढ़ना ही जीवन की यात्रा की सार्थकता है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

(ख) नदियाँ जीवन के स्रोत होती हैं क्योंकि वे जल, जीवन की मूलभूत आवश्यकता, प्रदान करती हैं। उनका सदानीरा रहना सुनिश्चित करता है कि जल का निरंतर प्रवाह बना रहे, जिससे कृषि, पीने का पानी, और पारिस्थितिकी तंत्र की विविधता बनी रहती है।

मनुष्य नदियों को क्षति विभिन्न तरीकों से पहुँचा रहा है। औद्योगिकीकरण, जलवायु परिवर्तन, और अति जल दोहन के कारण नदियों के जलस्तर में कमी आ रही है। नदी तटों पर अतिक्रमण और प्रदूषण ने भी नदियों की गुणवत्ता और पारिस्थितिक तंत्र को नुकसान पहुँचाया है, जिससे नदियों की जीवनदायिनी भूमिका खतरे में है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform